वन अनुसंधान संस्थान
अनुसंधान एवं समन्वयक अनुभाग
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद)
डाकघर न्यू फॉरेस्ट,देहरादून – 248006
विज्ञापन संख्या /आर. सी. एस/2021 (मई)

प्रशिक्षुओं के आवेदन हेतु सूचना

वन अनुसंधान संस्थान, देहारादून के वन वनस्पति प्रभाग की सिक्योर हिमालय परियोजना 'स्किलड डेवलपमेंट इन पैराटैक्सानोमी फॉर लोकल कम्यूनिटी ऑफ गंगोत्री–गोबिन्द एंड दरमा वैली ऑफ उत्तराखंड' हेतु चयनित किये जा चुके गांवों (30) में से प्रत्येक एक गाँव से पैराटैक्सानोमी में प्रशिक्षण हेतु एक प्रशिक्षु (अभ्यर्थी) की आवश्यकता हैं। इस हेतु विस्तृत जानकारी भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद की वेबसाइट (http://www.icfre.org/) एवं वन अनुसंधान संस्थान (http://www.fri.res.in/) पर देखी जा सकती हैं। सभी आवेदकों से अनुरोध हैं प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए परियोजना प्रारूप प्रभाग प्रमुख, वन वनस्पति विज्ञान प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान, पोस्ट बॉक्स न्यू फॉरेस्ट, देहरादून –248006 के पते पर 31 मई 2021 तक अवश्य भेज दें।

15-04-2021

समूह समन्वयक (अनुसंधान)
वन अनुसंधान संस्थान
देहरादून

निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा पैरा-टैक्सोनॉमी में कुशल विकास पर दूसरे चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु सिक्योर हिमालय परियोजना 'स्किलड डेवलपमेंट इन पैराटैक्सानोमी फॉर लोकल कम्यूनिटी ऑफ गंगोत्री – गोबिन्द एंड दरमा वैली ऑफ उत्तराखंड" के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं

क्रम संख्या	पद	योग्यता और उम्र	प्रशिक्षुओं की संख्या का जिनका चयन किया जाएगा	टिप्पणियों
1	प्रशिक्षु (पैरा-टैक्सोनोमिस्ट) दूसरा चरण	**शैक्षणिक योग्यता :** आवश्यक योग्यता: 10वीं पास वांछित योग्यता: 12वीं पास उम्र: अधिकतम 28 वर्ष (यदि उपलब्ध नहीं है, तब वर्ष तक के उम्मीदवारों 35 पर विचार किया जाएगा)	कुल संख्या: 30 (30% महिला उम्मीदवार)	चयनित प्रशिक्षुओं को कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा। हालांकि, प्रशिक्षण स्थल पर यात्रा व्यय, प्रशिक्षण सामग्री, आवास और भोजन की सुविधा प्रदानकी जाएगी। इस परियोजना के अंतर्गत चार प्रशिक्षण कार्यक्रम चार विभिन्न जगहों में एक सप्ताह के लिए वर्ष में चार बार आयोजित किए जाने हैं जिनमे वन अनुसंधान संस्थान, देहारादून, गंगोत्री, गोविंद और दारमा – ब्यान्स वैली शामिल हैं

परियोजना उत्तराखंड के **3** भूक्षेत्रों में कार्यान्वित की जा रही है यह हैं गंगोत्री – गोविंद और दारमा – बायनस घाटी। प्रत्येक गाँव से केवल एक अभ्यर्थी ही चुना जाएगा। **गंगोत्री** (14 **गाँव : धराली, हर्षिल, मुखवा, बारसू, जसपुर, भंगघेली, सूखी, झाला, भुकी, सलंग, होरी, बघोरी, तिहार, एवं पुराली**); **गोबिन्द** (10 **गाँव : सट्टा, गंगार, पवानी, ओसला, सोर, पूजेली, खन्यासी, छोनी, धतमीर, एवं लिवारी**) **दरमा-ब्यान्स वैली** (6 **गाँव : सिपु, मार्छा, तेदंग, बोन, दुग्तू, एवं दातू**)। यदि उपरोक्त गाँवों में अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होंगे तब निकटवर्ती गाँव से अभ्यर्थी को चुना जायेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अपनी रुचि दिखाने वाले उम्मीदवारों को विधिवत भरा हुआ आवेदन पत्र, हाल ही में खीचें गया फोटो, एवं शैक्षणिक योग्यता की स्व-प्रमाणित प्रति के साथ हस्तलिखित एक पृष्ठ जिसमें

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में रुचि होने का कारण दिया हो। आवेदन पत्र प्रभाग प्रमुख, वन वनस्पति विज्ञान प्रभाग, वन अनुसंधान संस्थान, पोस्ट बॉक्स न्यू फॉरेस्ट, देहरादून -248006 के पते पर 31 मई 2021 तक अवश्य पहुंच जाना चाहिए।

नोट: जो अभ्यर्थी परियोजना के प्रथम भाग में चयनित होकर प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं वह प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम में आवेदन न करें।

15-04-2021

समूह समन्वयक (अनुसंधान)
वन अनुसंधान संस्थान
देहरादून

प्रशिक्षण कार्य क्रम के लिए परियोजना प्रारूप
'स्किलड डेवलपमेंट इन पैराटैक्सानोमी फॉर लोकल कम्यूनिटी ऑफ गंगोत्री-गोबिन्द अँड दरमा वैली ऑफ उत्तराखंड'

1. गाँव का नाम:

2. अभ्यर्थी का नाम:

अभ्यर्थी का स्वप्रमाणित फोटो

3. पता:

4. फोन नंबर:

5. शैक्षणिक योग्यता:

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर

हिमालयी क्षेत्र की खाद्य, पर्यावरण और पारिस्थितिक सुरक्षा के लिए जैव विविधता की अति महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्तराखंड का हिमालयी क्षेत्र जैव विविधता से संपन्न है। पादपों का स्थानीय स्तर पर उपयोग, मूल्यांकन एवं संरक्षण हेतु उसकी सटीक पहचान बहुत जरूरी हैं। वैज्ञानिक ज्ञान नहीं रखने वाले स्थानीय लोग भी विभिन्न पहचान के तरीकों से पाओधों की सटीक पहचान कर सकते हैं।

पादप विविधिता के महत्व को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड वन विभाग द्वारा वित्त पोषित सिक्योर हिमालय परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड के गंगोत्री - गोविंद और दारमा - बायनस वैली के स्थानीय लोगों को पैराटैक्सोनॉमी में प्रशिक्षित करने की योजना हैं। यह स्थानीय लोग भविष्य में पौधों की पहचान में प्रशक्षित पैराटैक्सोनॉमिस्ट के रूप में कार्य करेंगे। प्रशिक्षित विशेषज्ञता वाले स्थानीय लोग पादप प्रजातियों के दस्तावेज़ीकरण, जैव विविधता का आकलन और इकोटूरिज्म कार्यों को करने में अत्यंत उपयोगी होंगे।

इस परियोजना के अंतर्गत चार प्रशिक्षण कार्यक्रम चार विभिन्न जगहों में एक सप्ताह के लिए वर्ष में चार बार आयोजित किए जाने हैं जिनमे वन अनुसंधान संस्थान, देहारादून, गंगोत्री, गोविंद और दारमा - बायनस वैली शामिल हैं। **चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आवास और रहने की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी**

उम्मीदवारों के चयन के मानदंड नीचे दिये गये है:

1. **प्रशिक्षुओं की कुल संख्या: 30**

2. **प्रशिक्षुओं हेतु शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास**, वांछित **योग्यता 12वीं पास**

3. **प्रशिक्षु की उम्र 35 वर्ष से अधिक**

4. **प्रत्येक गाँव से केवल एक अभ्यर्थी ही चुना जाएगा। गंगोत्री (14 गाँव: धराली, हरसिल, मुखवा, बारसु, जसपुर, भंगेली, सुखी, झाला, भुकी, सालंग, होरी, बाघोरी, तिहार, एवं पुरली); गोबिन्द (10 गाँव: सट्टा, गंगर, पावनी, ओस्ला, सोर, पुजेली, खन्यासी, डोनी, धतमीर, एवं लिवाड़ी) दरमा-ब्यान्स वैली (6 गाँव: सिपु, मर्छा, तेदंग, बोन, दूगटु, एवं दत्तू)। यदि उपरोक्त गाँवों में अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होंगे तब निकत्वर्ती गाँव से अभ्यर्थी को चुना जायेगा।**

5. **30% उम्मीदवारों का चयन महिलाओं की श्रेणी से किया जाएगा।**

6. प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अपनी रुचि दिखाने वाले उम्मीदवारों द्वारा एक पृष्ठ का लेखन भेजा जाना आवश्यक है (जिसमें प्रशिक्षण कार्यक्रमों में रुचि होने का कारण दिया हो)।

7. विधिवत भरे हुए आवेदन पत्र के साथ एक पेज का लेखन संलग्न कर प्रभाग प्रमुख, वन वनस्पति विज्ञान, वन अनुसंधान संस्थान, पोस्ट बॉक्स न्यू फॉरेस्ट, देहरादून -248006 के पते पर **31 मई 2021** तक पहुंच जानी चाहिए।